आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 30.04.2026 **समय : 1905**

- राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टोलरेंस नीति पर अडिग है।
- केन्द्रीय मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल ने कहा कि भारत इक्यावन हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश के साथ बासठ जहाज बेड़े में शामिल करने की दिशा मे आगे बढ़ रहा है।
- जे एन आर एम गणित समिति के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय गणित जागरूकता माह का आयोजन किया गया।
- एम वी स्वराजद्वीप तीन मई को सुबह दस बजे राजधानी श्री विजयपुरम से विशाखापत्तनम के लिए प्रस्थान करेगा।

<><><><><><><>

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने विश्व को यह संदेश दिया है कि भारत किसी भी परिस्थिति में किसी भी आतंकवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन के दूसरे चरण में श्री सिंह ने कहा कि देश अब उस पुरानी मानसिकता के साथ आगे नहीं बढ़ता, जहां हमारी धरती पर आतंकवादी हमले होते रहे और हम केवल कूटनीतिक बयान जारी करते रहे। उन्होंने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र और भारत को सूचना प्रौद्योगिकी का केंद्र बताया।

उन्होंने कहा कि एआई तकनीक भारतीय सेनाओं का अभिन्न अंग बन गई है। इस नई विश्व व्यवस्था में, एआई किसी भी देश की रणनीतिक तैयारियों का एक अनिवार्य हिस्सा बन रही है। रक्षा मंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष दो हजार पच्चीस–छब्बीस में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड अड़तीस हजार चार सौ चौबीस करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में बासठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

<><><><><><><>

पत्तन, पोत, परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि भारत इक्यावन हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ वित्तीय वर्ष दो हजार छब्बीस–सत्तईस में बासठ जहाज बेडे में शामिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। आज नई दिल्ली में होर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में उच्च स्तरीय अंतर–मंत्रालयी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री सोनोवाल ने बाहरी व्यवधानों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए भारत की शिपिंग क्षमता के तत्काल विस्तार का आह्वान किया। बैठक के दौरान उन्होंने उनसठ जहाजों के अधिग्रहण के लिए शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और तेल सार्वजनिक उपक्रमों के बीच संयुक्त उद्यम की स्थिति की भी समीक्षा की। श्री सोनोवाल ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोपरि है। मंत्रालय ने कहा कि अंतर–मंत्रालयी बैठक भारत को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी समुद्री राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए मंत्रालयों और हितधारकों के बीच अधिक संरेखण, समन्वय और निष्पादन के आह्वान के साथ संपन्न हुई।

<><><><><><><>

सरकार ने उस वीडियो को गलत बताया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्कूल जाने वाले बच्चों को मुफ्त मोबाइल रिचार्ज देने का वादा करते हुए दिखाया गया है। पत्र सूचना कार्यालय–पीआईबी की फैक्ट चेक इकाई ने कहा है कि यह दावा फर्जी है और वायरल वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई से बनाया गया है। सरकार ने सभी को सलाह दी है कि वे ऐसी जानकारी की पुष्टि केवल आधिकारिक वेबसाइट myscheme. Gov. in के माध्यम से ही करें।

<><><><><><><>

सरकार ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उस दावे का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 'क्वांटम एआई' निवेश योजना का प्रचार कर रही हैं, जिसके तहत मात्र तीस दिनों में पच्चीस हजार रुपये के निवेश पर पच्चीस लाख से अधिक का रिटर्न मिलेगा। पत्र सूचना कार्यालय की फेक्ट चौक इकाई ने स्पष्ट किया कि वायरल हो रहा वीडियो फर्जी है और एआई द्वारा बनाया गया है।

<><><><><><><>

जवाहर लाल नेहरु राजकीय महविद्यालय के गणित विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गणित जागरुकता माह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आज जेएनआरएम की गणित सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. पर्ल देवदास ने किया। उन्होंने दैनिक जीवन में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका

पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वित्तीय प्रबंधन से लेकर आधुनिक तकनीक तक, गणित हर क्षेत्र में आवश्यक है। इस अवसर पर जेएनआरएम मैथमेटिकल सोसाइटी के अध्यक्ष एवं गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. मलाई संबासिवम ने विशेष व्याख्यान दिया। विभागाध्यक्ष शादाब हसन ने अतिथियों का स्वागत किया।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा दक्षिण अंडमान में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'धान के खाली खेतों में तिल की खेती' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छोलदारी गांव में किसानों के खेत पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धान की कटाई के बाद खाली पड़ी भूमि में गर्मी के मौसम के दौरान तिल की खेती की संभावनाओं के प्रति किसानों को जागरूक करना था। विशेषज्ञों ने बताया कि तिल एक कम अवधि की और लाभकारी फसल है, जो द्वीप क्षेत्रों में कृषि विविधीकरण के लिए उपयुक्त है। संस्थान के निदेशक ने किसानों से अपील की कि वे धान के बाद खाली भूमि को अनुपयोगी न छोड़ते हुए तिल की खेती अपनाएं, जिससे आय में वृद्धि, खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता और बेहतर बाजार अवसर प्राप्त हो सकें।

<><><><><><><>

जिला परिषद विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, फरारगंज के प्री–प्राइमरी सेक्शन का उद्घाटन आज हुआ। इस अवसर पर जिला परिषद दक्षिण अंडमान के अध्यक्ष प्रकाश अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रारंभिक बाल शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों के समग्र विकास के लिए आधुनिक और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को अपनाना की आवश्यकता बताई गई। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश सिंह, जिला परिषद सदस्य अब्दुल बशीर तथा ग्राम पंचायत फरारगंज के प्रधान सुनील कुमार भी मौजूद थे।

<><><><><><><>

एम वी स्वराजद्वीप तीन मई को सुबह दस बजे श्री विजय पुरम से विशाखापत्तनम के लिए प्रस्थान करेगा। सामान की लोडिंग दो मई को दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक की जाएगी। यात्रियों की बोर्डिंग तीन मई को सुबह सात बजे से नौ बजे तक होगा।

<><><><><><><>

एनसीसी आर्मी यूनिट, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। यूनिट के कैडेट डी. गोवर्धन राव, जो अंडमान कॉलेज के छात्र हैं, का चयन प्रतिष्ठित एक सौ बहत्तर मद्रास टेरिटोरियल आर्मी बटालियन के लिए हुआ है। डी. गोवर्धन राव की यह उपलब्धि अन्य कैडेट्स के लिए भी प्रेरणास्त्रोत का कार्य करेगी।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार चेस एसोसिएशन इस वर्ष मदर्स डे पर दस मई को श्री विजय पुरम में "मॉम एंड मी" टीम शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन करेगा, जिसमें माताएं अपने बच्चों के साथ मिलकर खेलेंगी। इस अनोखे आयोजन का उद्देश्य माताओं और बच्चों के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम में एक मां और उनके बेटा या बेटी शामिल होंगे। प्रतियोगिता रैपिड फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि माताओं की भूमिका और उनके योगदान को सम्मान देने का भी एक प्रयास है, जो बच्चों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस प्रतियोगिता की एक और विशेषता यह है कि माताओं के लिए शतरंज का पूर्व अनुभव जरूरी नहीं है, जिससे अधिक से अधिक लोग इसमें भाग ले सकें।

<><><><><><><>